भा वा अ शि प - वन उत्पादकता संस्थान, रांची

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

"वैज्ञानिक विधि द्वारा कुसुमी लाह" की खेती विषय पर प्रशिक्षण 21.07.2023

भावाअशिप – वन उत्पादकता संस्थान राँची के निदेशक डॉ.योगेश्वर मिश्रा के तत्पर पहल पर श्रीमती अंजना सुचिता तिर्की (उ.व.स.) के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में संस्थान के एक दल श्री बी.डी.पण्डित(तकनीकी अधिकारी), श्री सुरज कुमार(वरिष्ठ तकनीकी सहायक), श्री मोहित सतपथी(बहु कार्य कर्मचारी) द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव एवं मिशन लाइफ के अंतर्गत ग्राम पिथरा तुमडेगी जिला सिमडेगा में दिनांक 21.07.2023 को पंचायत पिथरा के मुखिया श्री अनिल उराँव की अध्यक्षता एवं श्री सिकंदर तिर्की के संचालन में "वैज्ञानिक विधि द्वारा कुसुमी लाह की खेती" विषय पर प्रशिक्षण सह लाह बीज वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे लगभग 45 महिला पुरुष किसानों ने भाग लिया।

कार्यक्रम एवं संस्थान का परिचय कराते हुए उप वन संरक्षक श्रीमती अंजना सुचिता तिर्की ने बताया कि लाह की खेती आदिवासी बहुल क्षेत्रों के लिए आजीविका का प्रमुख साधन के साथ-साथ वानिकी संरक्षण का एक महत्वपूर्ण अवयव है। सिमडेगा एक कुसुम वृक्ष प्रधान क्षेत्र है और यहाँ कुसुमी लाह की वैज्ञानिक खेती कर किसान अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत कर सकते है।

मौके पर उपस्थित विशिष्ट अतिथि जिला सहकारिता पदाधिकारी श्री अभय टोप्पो ने ग्रामीणों को सहकारिता विभाग की योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने सहकारिता विभाग के माध्यम से **LAMPS** तथा **SOCIETIES** का निबंधन करने हेतु ग्रामीणों को समझाया तथा लाह उत्पादन हेतु प्रशिक्षण के महत्व को भी रेखांकित किया।

तकनीकी अधिकारी श्री बी.डी.पंडित ने लाह की खेती को रोजगार का सर्वोत्तम साधन बताते हुए लाह के **host plants** के विषय में समझाया तथा उनकी खेती किस प्रकार से की जाए इसकी वैज्ञानिक पद्धतियों के विषय में ग्रामीणों को जागरूक किया। साथ ही लाह की फसल पर दुश्मन कीटों से बचाव के तरीकों को बताया। फ्लेमेंजिया सेमियालाता पर लाह की खेती के विषय में चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि इस पौधे पर लाह की खेती से महिलाएं अपनी घर की आय में वृद्धि कर सकती है।

स्थल : तुमडेगी, सिमडेगा

“वैज्ञानिक विधि द्वारा कुसुमी लाह” की खेती विषय पर प्रशिक्षण दिनांक 21.07.2023

श्री सूरज कुमार, वरिष्ट तकनीकी सहायक ने उपस्थित ग्रामीणों को लाह की उपयोगिता एवं लाह के बाजार के विषय में संक्षिप्त में बताया। पिथरा पंचायत के मुखिया श्री अनिल उराँव ने अपने संबोधन में बताया कि वन उत्पादकता संस्थान के इस प्रशिक्षण से ग्रामीणों का ही नही अपितु व्यक्तिगत रूप से मुझे भी काफी जानकारी प्राप्त हुई है। अंजना मेडम के कार्यानुसार हमलोग अतिशीघ्र समूह का गठन करेंगे और संस्थान से जुड़कर लाह खेती को प्रमुख रोजगार के रूप में अपनाएँगे। उन्होंने संस्थान की सराहना करते हुए इसी लाह के रोजगारोन्मुख कार्यक्रम चलाने का आग्रह किया एवं संस्थान को धन्यवाद दिया। धन्यवाद ज्ञापित करते हुए शिक्षक एवं समाजसेवी श्री सिकंदर तिर्की ने संस्थान, श्रीमती तिर्की एवं अन्य सदस्यों का आभार प्रकट किया।

इस अवसर पर वन उत्पादकता संस्थान के द्वारा ग्रामीणों के बीच 5 **kg** लाह बीज का वितरण किया गया तथा ग्रामीणों की माँग पर सेमियालाता के पौधे भी उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया।